परिशिष्ट सारणी 15 : राज्यों के योजनेतर-विकासेतर व्यय

(राशि करोड़ रुपए में)

	मद	2005-06 (लेखा)	2006-07 (संशोधित अनुमान)	2007-08 (बजट अनुमान)
	1	2	3	4
I.	**योजनेतर विकासेतर राजस्व व्यय (1 से 5)**	**1,85,380**	**2,16,651**	**2,36,356**
		(1.4)	**(16.9)**	**(9.1)**
	1. राज्य सरकारों के विभाग और संस्थाएं	4,060	5,231	5,342
		(-8.4)	(28.8)	(2.1)
	2. राजकोषीय सेवाएं	9,388	11,152	11,852
		(-15.9)	(18.8)	(6.3)
	3. ब्याज अदायगी और ऋणों की चुकौती	90,445	1,03,387	1,09,887
		(-2.3)	(14.3)	(6.3)
	जिसमें से :			
	ब्याज अदायगी	84,016	95,661	1,02,675
	जिसमें से :	(-4.5)	(13.9)	(7.3)
	केन्द्र से प्राप्त ऋण पर ब्याज	13,150	13,183	12,914
		(-48.7)	(0.3)	(-2.0)
	4. प्रशासनिक सेवाएं	33,190	40,181	45,509
		(10.9)	(21.1)	(13.3)
	5. पेंशन और फुटकर सामान्य सेवाएं	48,295	56,699	63,767
		(8.2)	(17.4)	(12.5)
II.	**योजनेतर विकासेतर पूंजी संवितरण (1 + 2)***	**766**	**1,749**	**1,800**
		(-71.1)	**(128.4)**	**(2.9)**
	1. योजनेतर विकासेतर पूंजी परिव्यय	370	1,258	1,197
		(-62.5)	(240.4)	(-4.8)
	2. राज्यों द्वारा योजनेतर विकासेतर ऋण और अग्रिम	396	491	602
		(-76.2)	(23.8)	(22.8)
III.	**कुल योजनेतर विकासेतर व्यय**	**1,86,145**	**2,18,399**	**2,38,156**
		(0.4)	**(17.3)**	**(9.0)**

* इसमें केंद्र के ऋणों की चुकौती और आंतरिक ऋण से मुक्ति शामिल नहीं है।

टिप्पणी : 1. कोष्ठक के आंकड़े पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत घट-बढ़ दर्शाते हैं।

2. जम्मू और कश्मीर तथा झारखंड के वर्ष 2005-06 (लेखा) के योजनेतर आंकड़े संशोधित अनुमान से संबंधित हैं।

स्रोत : राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज ।